क्या वाकई साल्टलेक के बाजारों पर चढ़ेगा सुन्दरीकरण का रंग?

कोलकाता : साल्टलेक के सभी बाजारों को नये रूप में तराशने के लिए विधाननगर नगरपालिका प्रतिबद्ध है। बाजारों के नवीनीकरण के लिए पालिका अपनी योजनाओं के कार्यान्वयन में लगी है। दो बाजारों के सुन्दरीकरण का काम भी शुरू कर दिया गया है। पालिका के सूत्रों के अनुसार एक-एक बाजारों का नवीनीकरण करने की योजना है पर ऐसा प्रयास बहुत कुछ प्रश्नों को जन्म देने के लिए काफी है। पहला प्रश्न है कि साल्टलेक में 14 बाजार भी बनाये गये पर इतने वर्षों में पालिका उनके रखरखाव का काम ही ठीक तरह से नहीं कर पायी है वैसे में अचानक बाजारों के नवीनीकरण के पीछे पालिका की मंशा क्या है?

साल्टलेक शहर का विकास किया जायेगा यह कहां तक सच है इसका अंदाजा यहां के सभी स्थानीय बाजारों को देखने के बाद ही मालूम पड़ता है। यहां के बाजारों की स्थिति काफी जर्जर है। खासकर बारिश के मौसम में इनकी स्थिति और भी खराब हो जाती है। इन बाजारों में बारिश का पानी टपकता है तो कहीं जलजमाव हो जाता है। इसके अलावा बाजारों के बाहर जंगल झाड़ी उग आती है जहां पर विभिन्न तरह के जीव-जन्तु का बसेरा हो जाता है। बाजारों की दीवारों पर बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं। कहीं बिजली नहीं है तो कहीं दुकानें बन्द ही रहती हैं।

विधाननगर नगरपालिका द्वारा यहां के सभी बाजारों को लगभग 8 तल्लों का बनवाने का प्रस्ताव है। अगर सभी बाजारों को 8 तल्लों का बनवाया जायेगा तो छोटे बाजार बड़े बाजार के बीच खो जायेंगे। अगर इन बातों पर ध्यान दिया जाय तो यह मालूम पड़ेगा कि इन बाजारों के बन जाने के बाद कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अभी इन बाजारों में करीब 12 रुपये में एक मजदूर पेट भर कर भोजन कर सकता है परन्तु जब वह 8 तल्ले का आधुनिक बाजार बन जायेगा तो यह सम्भव नहीं हो पायेगा। विधाननगर पालिका के सदस्य (स्वास्थ्य और बाजार) नंद गोपाल भट्टाचार्य ने कहा कि हम पुराने बाजारों को नये और आधुनिक बाजार में तब्दील करेंगे। पुराने सभी दुकानदारों को उसमें जगह दी जायेगी। उनसे पैसे नहीं लिये जायेंगे मगर टैक्स उसे चुकाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि साल्टलेक के सभी बाजारों की स्थिति सुधारने की पहल पालिका कर रही है। मौजूदा 14 बाजारों में से केवल दो बाजारों की स्थिति को सुधारने के लिए पालिका ने पहल की है। प्रत्येक बाजार को बनाने में करीब 2 से 3 वर्षों का समय लगने की संभावना है। पालिका ने इस समय केवल वैशाखी बाजार तथा बीडी ब्लॉक के बीडी बाजार की स्थिति को सुधारने की पहल की है। वैशाखी बाजार का काम लगभग 1 महीने से चल रहा है तथा करीब 20 महीने के अंदर पूरा होने की बात कही जा रही है। इस बाजार में लगभग 200 व्यापारी हैं। पहले यहां झोपड़ी बाजार था। अब वहां पर 8 तल्ले का बाजार सह व्यावसायिक इमारत बनवायी जा रही है। ग्राउंड फ्लोर में व्यापारी बाजार लगायेंगे तथा ऊपर कई तरह के शोरूम तथा ऑफिस खोले जायेंगे। वहीं दूसरी ओर बीडी बाजार की स्थिति सभी बाजारों की अपेक्षा काफी जर्जर है। इस बाजार को भी 8 तल्ले का तथा बाजार सह व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनवाया जा रहा है। इस बाजार के करीब 210 व्यवसायियों को व्यापार करने के लिए जगह दी जायेगी। उन्होंने कहा कि पालिका उनको व्यापार करने की जगह देगी तो मुनाफा नहीं कमायेगी परन्तु उन लोगों को टैक्स देना होगा। इन सभी बाजारों के अलावा सीए बाजार, बीजे बाजार तथा आईए बाजार की मरम्मत करवायी जा रही है। इस मामले को लेकर विधाननगर नगरपालिका के चेयरमैन विश्वजीवन मजूमदार का कहना है कि पालिका धीरे-धीरे सभी बाजारों की स्थिति को सुधारना चाहती है। सभी बाजारों को आठ तल्ले का बनाने के उम्मीद है। ऐसे में साल्टलेक में एक भी छोटा बाजार नहीं होगा।

समस्याएं

1. छोटे-छोटे सब्जी विक्रेता कहां जायेंगे जो रजिस्टर्ड नहीं हैं।
2. बाजारों में मौजूद एक-एक दुकानें कई-कई लोगों के हाथों बेची गयी हैं ऐसे में असली मालिक को तलाशना मुश्किल काम होगा।
3. अस्थायी बाजारों से मैदानों की हालत खराब होगी।

लाभ

1. पालिका सभी बाजारों को आठ तल्ले का बनवा रही है। दुकानदारों को देने के बाद मौजूदा सभी तल्लों से पालिका को अच्छा खासा आर्थिक लाभ होगा।
2. सभी बाजार आधुनिक होने से साल्टलेक के सौन्दर्य में और भी बढ़ोतरी होगी।

Sanmarg, Kolkata
Monday. 07/07/08